किस्सा चुदाई कि रात का

किस्सा है ये चुदाई कि रात का
उस रात मेरे मन में ना जाने क्या झमेला था
क्योंकि मैं घर पर एकदम अकेला था
अकेलेपन में मैं तन्हाई के गीत गुनगुना रहा था
और बीच बीच में अपने लन्ड को भी हिला रहा था
क्योंकि किसी कन्या क ख्याल आते ही ये दिल बड़ा हो जाता है
ये मासूम लन्ड भी इसकी तमन्ना समझते हुए खुद ही खड़ा हो जाता है
अब है तो खड़ा होगा ही
छोटा है तो बड़ा होगा ही
अचानक मुझे लगा कि कोई बुदबुदा रहा है
दिमाग गंदा हो तो लगता है कि कोइ चुदवा रहा है
मैने दरवाजा खोला तो वहां एक गोरी थी
उसके मम्में और गान्ड देख कर लग रहा थी कि आज तक कोरी थी
मैने उसे अपने घर में अन्दर बुला लिया
ठंड बहुत थी सो मैने कुन्डा लगा दिया
मैने माज़रा पूछा तो पता चला वो रास्ता भूल गयी
मेरी हिम्मत भी उसकी हालत देख के खुल गयी
मैने उसे बाहों में भर लिया था
क्योंकि उसे चोदने का पक्का इरादा कर लिया था
वो मेरी बांहों में आकर शरमा रही थी
और मेरी सांसों की गरमी से वो भी गरम हुई जा रही थी
मैने धीरे से एक हाथ उसके मम्मों पर धर दिया

इन हाथों ने ही उसका सारा काम कर दिया
मेरा दूसरा हाथ उसकी चूत पे था
और धयान उसके सूट पे था
आखिर उसकी जवानी को जो संवारना था
इसलिये उसका सूट भी उतारना था
मैनें उसकी कमीज़ उतार कर मम्म दबाने शुरू कर दिये
सलवार को अलग किया और शोट लगाने शुरू कर दिये
वो आहें भर कर मज़ा दे रही थी
या यूं कहें कि लड़की होने की सज़ा ले रही थी
मेरा लन्ड उसकी चूत के अन्दर था
ये भी मज़ का एक मंजर था
वो कह रही थी कि चोदते रहो चोदते रहो और चूत को फ़ाड़ डालो
आज अपने लन्ड से मेरी चूत में झण्डे गाड़ डालो
मैं भी पूरे दम से उसे चोदे जा रहा था
और चूत चुदाई के इस खेल में दोनों को मज़ा आ रहा था
मेरे लन्ड से पानी निकला तो वो संतुष्ट हो गयी
नंगी ही वो मुझसे लिपट के सो गयी
थोड़ी देर बाद उसने मेरे लन्ड को पकड़ लिया
मुझे कुछ समझ आता इससे पहले ही अपने होठों में जकड़ लिया
वो मेरे लन्ड को चूस रही थी इसलिये लन्ड खड़ा हो गया
एक बार फ़िर से ये लन्ड चुदाई के लिये खड़ा हो गया
अब उसे अपनी गाण्ड मुझसे मरवानी थी
उसकी चूत कि तरह उसकी गाण्ड भी सुहानी थी
मैने भी पूरी पावर से अपना लन्ड उसकी गाण्ड में डाला
और एक ही बार में उसकी गाण्ड को फ़ाड़ डाला

उसकी चीख ने मुझे झन्झोड़ दिया
साथ ही मेरे लन्ड ने एक बार फ़िर पानी छोड़ दिया
अब मुझे पता चला मैं कहां था
जिसमें मैं था वो एक दूसरा ही जहां था
मैने गाण्ड और चूत दोनो ही मारी थी
लेकिन यारो सच जो ये है कि मैनें सपने में मुठ मारी थी
मेरा अन्डरवियर एकदम गीला हो गया था
मुठ इतनी जोर से मारी कि लन्ड भी नीला हो गया था
यारो सपना ही सही लेकिन मज़ा तो किया
अपने लन्ड को चूत के अन्दर तो किया
तो दोस्तो ! चोदो, चुदाओ और अपनी लाइफ़ को खुशहाल बनाओ